Govt. Degree College Bhojpur Moradabad

Name – Madhu Tyagi

Email – Madhutyagi881@gmail.com

Stream – Arts

Name of course – B.A II Paper I History of Medieval India

Name of Sub — History

Name of Topic — North India - Political Scene

Meta-data Key words — North India Political Scene of Early ~~Medieval~~ Mughal Period

Type — Pdf Text

Scanned with CamScanner

भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना: उत्तर भारत की राजनैतिक दशा

बाबर जन्म स्थान

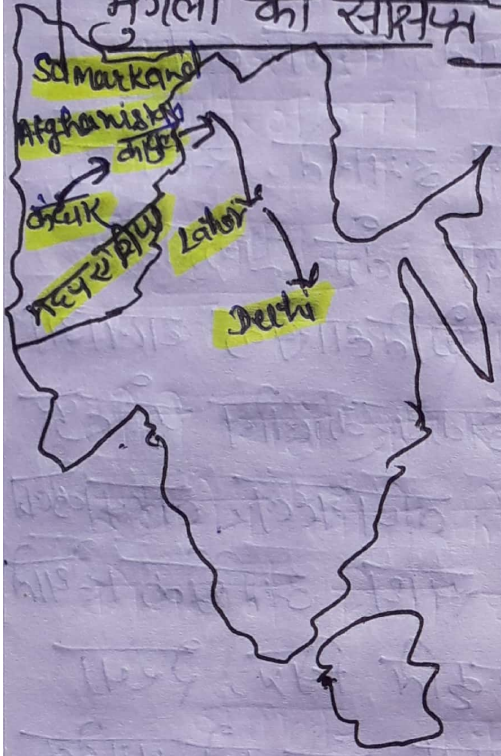

मुगलों का संक्षिप्त परिचय

मध्य एशिया में दो महान जाति एक तुर्क तथा दूसरी मंगोल का उत्कर्ष हुआ। दोनों जातियों में तुर्कों का मूल निवास-स्थान तुर्किस्तान तथा मंगोलों का मंगोलिया था। प्रारम्भ में दोनों ही जातियाँ खानाबदोश जीवन व्यतीत करती थी। दोनों ही जातियाँ अत्यधिक वीर, साहसी और लड़ाकू थी। दोनों ही जातियाँ कबीले बनाकर रहती थी और आपस में संघर्षरत रहती थी।

कालान्तर में दोनों ही जातियों ने अपने बाहुबल से न केवल एशिया वरन् दक्षिण यूरोप में अपनी राजसत्ता स्थापित की और दोनों ही जातियाँ एक-दूसरे की प्रतिद्वन्द्वी हो गयी। तुर्कों में तैमूरलंग और मंगोलों में चंगेजखाँ प्रसिद्ध हुए, जिन्होंने भारत पर आक्रमण किया। यही मंगोल जाति कालान्तर में मुगल जाति के नाम से प्रसिद्ध हुई। भारत में मुगल वंश की स्थापना का श्रेय बाबर को जाता है। बाबर ने इब्राहीम लोदी को परास्त कर 1526 ई. में मुगल वंश की स्थापना की थी। बाबर पिता के पक्ष में तैमूर तथा माता के पक्ष में चंगेज खाँ का वंशज था।

Scanned with CamScanner

उत्तर भारत की राजनैतिक दशा

बाबर के भारतीय अभियान के समय भारत की राजनैतिक दशा सोचनीय थी। समस्त भारत अनेक छोटे-छोटे राज्यों में विभक्त था। इन राज्यों में राजनैतिक एकता का सर्वथा अभाव था। ये राज्य प्राय: परस्पर संघर्षरत रहते थे। भारत की ऐसी अस्थिर राजनैतिक दशा ने बाबर को भारत पर आक्रमण करने के लिए प्रोत्साहित किया। बाबर के भारत पर आक्रमण के समय उत्तर भारत के प्रमुख राज्य थे।

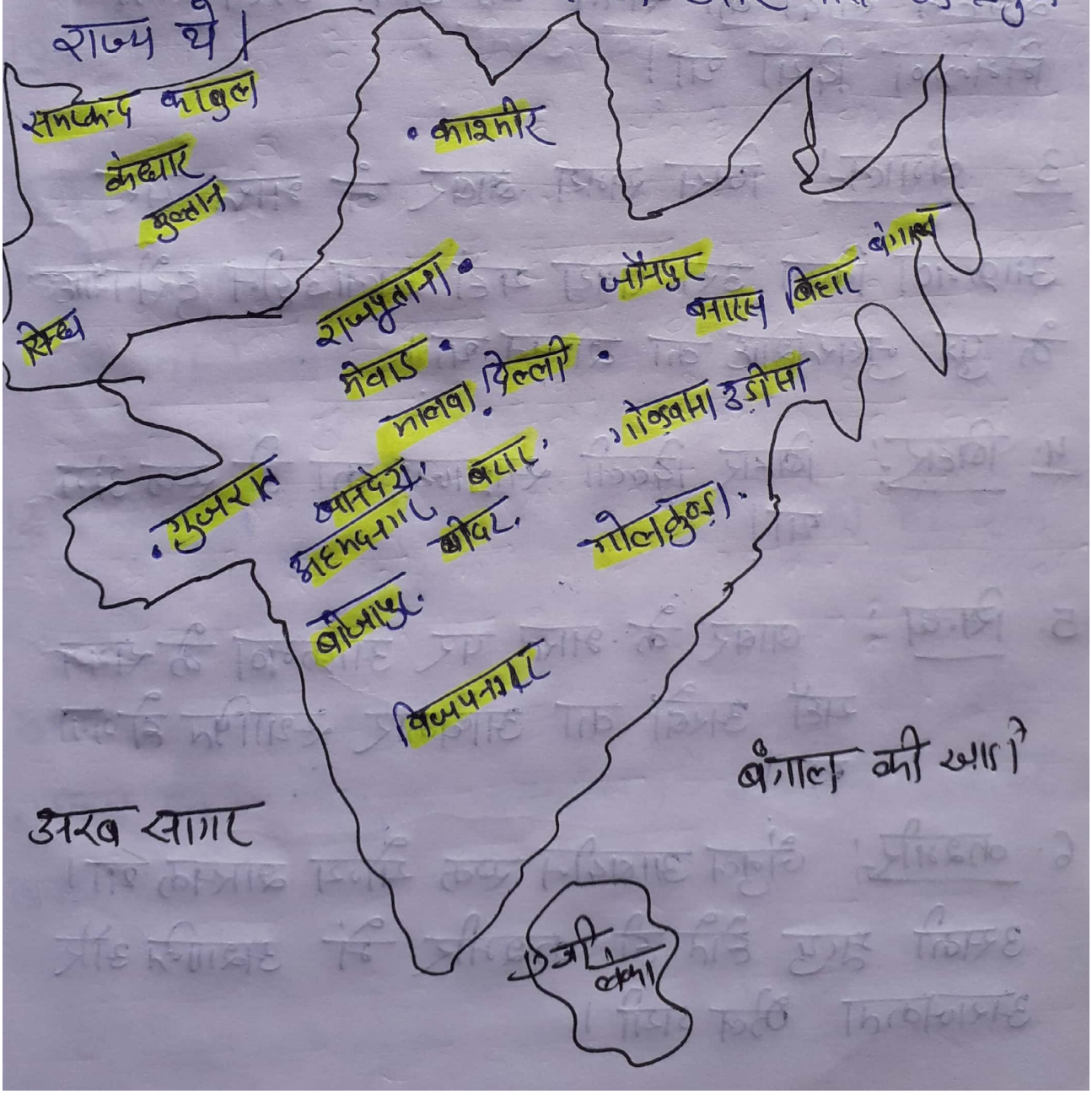

Scanned with CamScanner

1. दिल्ली :- बाबर के भारत पर आक्रमण के समय दिल्ली पर लोदी वंश के इब्राहीम लोदी का शासन था। उस समय दिल्ली की राजनीतिक स्थिति अत्यन्त सोचनीय थी। दिल्ली के चारों ओर राज्यों में अशान्ति और अराजकता का वातावरण था।

2. पंजाब :- पंजाब दिल्ली सल्तनत का ही एक भाग था। इस समय दौलत खाँ लोदी यहाँ का सूबेदार था। इसने बाबर को इब्राहीम लोदी की सत्ता का अन्त करने का निमन्त्रण दिया था।

3. बंगाल :- जिस समय बाबर ने भारत पर आक्रमण किया उस समय यहाँ अलाउद्दीन हुसैनशाह के पुत्र नुसरतशाह का शासन था।

4. बिहार :- बिहार दिल्ली साम्राज्य का ही एक अंग था।

5. सिन्ध :- बाबर के भारत पर आक्रमण के समय यहाँ अरबों का अधिकार स्थापित हो गया था।

6. कश्मीर :- जैनुल आबदीन एक योग्य शासक था। उसकी मृत्यु होते ही कश्मीर में अशान्ति और अराजकता फैल गयी।

Scanned with CamScanner

7. **खानदेश**: आदल खाँ फारुकी की मृत्यु के पश्चात महमूद प्रथम यहाँ का शासक बना।

8 **उड़ीसा**: उड़ीसा एक हिन्दू राज्य था। दिल्ली से अत्य धिक दूर स्थित होने के कारण उत्तर भारत की राजनीति में उसकी विशेष भूमिका न थी।

9. **गुजरात**: गुजरात का शासक मुजफ्फर शाह द्वितीय बाबर का समकालीन था।

10. **मेवाड़**: बाबर के आक्रमण के समय राणासांगा यहाँ का शासक था। वह अत्यन्त ही वीर एवं कुशल योद्धा था। राणासांगा उत्तर भारत का एक शक्ति शाली शासक था।

11. **मालवा**: बाबर के आक्रमण के समय यहाँ का शासक महमूद द्वितीय था।

12. **जौनपुर**: जौनपुर दिल्ली साम्राज्य का ही एक अंग था।

उत्तर भारत के अलावा दक्षिण भारत के भी पाँच राज्य थे। बीजापुर, गोलकुण्डा, अहमदनगर, बीदर बरार।

Scanned with CamScanner

उपर्युक्त वर्णन से स्पष्ट हो जाता है कि बाबर के भारत पर आक्रमण के समय भारत की राजनैतिक दशा अत्यन्त शोचनीय थी। केन्द्रीय नियन्त्रण शिथिल हो गया था। स्वतन्त्र राज्यों की स्थापना हो चुकी थी। इन राज्यों में एकता का सर्वथा अभाव था। ये राज्य परस्पर एक-दूसरे से द्वेष रखते थे तथा सदैव संघर्षरत रहते थे। वास्तव में भारत की राजनैतिक स्थिति बाबर के लिए लाभकारी थी। अतः बाबर ने अवसर का लाभ उठाया और भारत पर आक्रमण कर यहाँ मुगल वंश की नींव डाली।

Scanned with CamScanner